भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न सं. 6168
01.04.2026 को उत्तर देने के लिए

सांख्यिकीय प्रणालियों का डिजिटलीकरण और तकनीकी उन्नयन

6168. डॉ. सी. एम. रमेशः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने डेटा संग्रहण, सत्यापन, प्रसंस्करण और प्रसार में सुधार के लिए आधिकारिक सांख्यिकी प्रणाली का डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी उन्नयन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) नये सिरे से शुरू किये गये माइक्रोडाटा पोर्टल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) उपकरणों तथा आधुनिक डाटा प्रबंधन प्रणालियों को अपनाने सहित डिजिटल पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन पहलों का उद्देश्य आधिकारिक आंकड़ों की पारदर्शिता, वास्तविक समय पहुंच और विश्वसनीयता को बढ़ाना है और यदि हां, तो इन उद्देश्यों को किस प्रकार प्राप्त किया जा रहा है;

(घ) बढ़ते डिजिटल एकीकरण को देखते हुए डेटा सुरक्षा, गोपनीयता संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) इन प्रौद्योगिकीय सुधारों के लिए वित्तीय प्रावधान, कार्यान्वयन समय-सीमा और अपेक्षित परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ङ): जी हाँ, मंत्रालय द्वारा आधिकारिक सांख्यिकीय प्रणाली के सुधार हेतु डेटा संग्रहण, प्रसंस्करण, विश्लेषण और प्रसार से संबंधित विभिन्न मॉड्यूल वाला डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी उन्नयन प्रारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक सांख्यिकीय प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) सहित उभरती हुई तकनीकों को शामिल करने के लिए, क्षमता

विकास योजना के अंतर्गत डेटा इनोवेशन लैब घटक शुरू किया गया है। एआई और एमएल के 6 यूस केसेस डिप्लॉय किए गए हैं। इन पहलों के माध्यम से, हितधारकों के लिए आधिकारिक आँकड़ों तक पहुँच को सुगम बनाया गया है। एपीआई (API) के माध्यम से मशीन-पठनीय प्रारूप में डेटा के प्रसार से डेटा के प्रकाशन और उस तक पहुँच के बीच लगने वाले समय में कमी आई है।

डिज़ाइन सिद्धांतों द्वारा सुरक्षा को विकास स्तर पर शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी -आईएन) द्वारा साइबर सुरक्षा पर जारी सभी दिशा-निर्देशों को लागू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त , सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विभिन्न उपयोगकर्ताओं द्वारा साइबर सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक एजेंसी को नियुक्त किया है। मंत्रालय ने इस उद्देश्य के लिए मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) भी नियुक्त किया है। सभी एप्लिकेशन सुरक्षा ऑडिट और सिक्योर सॉकेट्स लेयर (एसएसएल) प्रमाणीकरण के बाद डिप्लॉय किए जाते हैं।

प्रौद्योगिकीय सुधार निरंतर किए जाते हैं और आवश्यकता के आधार पर वार्षिक कार्य योजना का हिस्सा होते हैं । इन सुधारों के अपेक्षित परिणाम डेटा संग्रह, सत्यापन, प्रसंस्करण और प्रसार में सुधार होंगे।

******